an>

Title: Need to develop Narsinghgarh as a tourist destination in Rajgarh Parliamentary Constituency of Madhya Pradesh.

श्री रोड़मल नागर (राजगढ़) : महोदया, मेरा संसदीय क्षेत्र राजगढ़ मध्य प्रदेश में प्रागैतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक महत्व की अकूत सम्पदाएं समेटे हुए है। मालवा-ए-कश्मीर के नाम से विख्यात नरसिंहगढ़ प्रागैतिहासिक शैलचित्रों के साथ मध्यकालीन वास्तुकला से परिपूर्ण इमारतों, मंदिरों के साथ-साथ अपने प्राकृतिक स्वरूप के लिए जाना जाता है। यहां योगऋÂिा महर्Âिष पतंजली की जन्मस्थली के साथ-साथ विंध्याचल पर्वतमाला में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के पूर्व अंग्रेजों से लोहा लेने वाले वीर बलिदानी कुंवर चैनसिंह की गाथाएं हर घर में सुनने को मिलेंगी। यही भारतीय संस्कृति की आदि कलाओं से परिचित कराते हुए शैलचित्र नरसिंहगढ़ के क्षेत्र में यत्र-तत्र देखने को मिलेंगे, जिनके शाका और श्याम जी प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। इसी प्रकार रानी रूपमती का मकबरा सारंगपुर हो या प्रसिद्ध भैंसवा माता, जालपा माता राजगढ़ एवं मां बगलामुखी नरसिंहगढ़, बागबागेश्वर महादेव चांचौड़ा की ख्याति देश-प्रदेश में धार्मिक आस्था के केन्द्र हैं। यहां पर धार्मिक स्थलों के नाम से वृहद स्तर पर पशु मेलों का आयोजन भी साल भर किया जाता है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय पर्यटन मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि भारत सरकार राजगढ़ संसदीय क्षेत्र के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के विकास के लिए राजगढ़-नरसिंहगढ़ सर्किट के रूप में पर्यटन नक्शे में शामिल करेंगे तो संस्कृति और धार्मिक पर्यटन को अधिक लाभ मिलेगा। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री सुधीर गुप्ता, श्री आलोक संजर और श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री रोड़मल नागर द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

Shri E.T. Mohammad Basheer – not present.

Shri N.K. Premachandran.